खबर संक्षेप

चोरों ने उड़ाए चांदी-सोना और नकदी

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के घोरी घाट गांव में दिनदहाड़े दो घरों में हुई चोरी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। घटना उस समय की है जब घरों के मालिक खेतों में फसल कटाई करने गए थे। इस दौरान तीन चोरों ने पांडु कोल और काशी यादव के सूने घरों के ताले तोड़कर नगदी व जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। शाम करीब चार बजे जब परिजन लौटे, तो काशी यादव के घर का ताला टूटा मिला। अंदर घुसते ही उन्होंने देखा कि तीन संदिग्ध युवक पीछे के रास्ते से भाग रहे हैं। ग्रामीणों ने पीछा किया, लेकिन बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जांच में पता चला कि काशी यादव के घर से लगभग आधा किलो चांदी, एक तोला सोना और छह हजार रुपये नकद, जबकि पांडु कोल के घर से एक किलो चांदी और एक हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं। चोरी की कुल कीमत लगभग चार लाख रुपये आंकी गई है। सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस मौके पर पहुँची और अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार बढ़ रही दिनदहाड़े चोरियों से ग्रामीणों में दहशत है और लोगों ने रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत लगाया गया जांच शिविर

शहडोल। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग पीड़ित जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चो के लिए जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र शहडोल में निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया। आयोजित जांच शिविर का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने निरिक्षण किया और शिविर में आए बच्चों से स्वास्थ्य संबंधित जानकारी प्राप्त की। अभिभावकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए लाभ लेने हेतु समझाइश दी। शिविर में 0 से 18 वर्ष के 59 बच्चों का इको जाँच कराई गई। यह इको जाँच नारायण हेल्थ एस.आर.सी.सी. अस्पताल मुम्बई के हृदय रोग विशषज्ञ डॉ. प्रिया प्रधान एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। जिसमे 21 बच्चे चिन्हित किये गये जो जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित थे उन बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन नारायण हेल्थ एस.आर.सी.सी. हस्पताल मुम्बई अस्पताल में किया जायेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत जन्म से 18 वर्ष के बच्चों का निःशुल्क जॉच उपचार एवं शल्य चिकित्सा की सुविधायें शासन द्वारा प्रदान की जाती है।शिविर के सफल आयोजन में जिला प्रबंधक आर.बी.एस.के. कंचन पटेल एवं ब्लाक स्तरीय आर.बी.एस.के. टीम की भूमिका रही।

बिरसा मुंडा जयंती के पर आयोजित होगा कार्यक्रम

शहडोल। भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह के मुख्य आतिथ्य में कन्या शिक्षा परिसर कंचनपुर में आयोजित किया जाएगा। 15 नवम्बर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनजातीय समाज के महानायकों की जीवनगाथा, संस्कृति, उनके व्यंजन तथा उत्पाद एवं वनोपज संग्रहण पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। ग्रामीण आजीविका परियोजना, महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को प्रदर्शनी लगाई जाएगी एवं कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृहद चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

मजदूर की लाश डूबी रही, अफसरों की नींद टूटी, अब कोर्ट की चौखट पर पहुंचे परिजन

15 साल से बंद पड़ी खदान बनी मौत का कुआं

एसईसीएल-आरकेटीसी की घोर लापरवाही खदान सुरक्षा नियमों की खुली धज्जियां, पुलिस भी अब हरकत में

शहडोल।

जिले के अमलाई ओपन कास्ट खदान में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे कोयलांचल क्षेत्र को झकझोर दिया है। 15 साल से बंद पड़ी इस खदान में 11 अक्टूबर 2025 को अचानक मिट्टी भराई के नाम पर शुरू हुआ अवैध काम एक मजदूर की जान लेकर थम गया। हादसे में अमलाई निवासी मजदूर अनिल कुशवाहा अपनी ट्रिपर मशीन समेत लगभग अस्सी मीटर गहरे पानी में समा गए, लेकिन न तो शव बरामद हुआ, न किसी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई हुई। अब हताश परिजन न्याय की गुहार लेकर माननीय उच्च न्यायालय पहुंच चुके हैं, जिन्होंने अपनी याचिका में एसईसीएल, आरकेटीसी और खदान प्रबंधन पर जानलेवा लापरवाही, सुरक्षा नियमों की अवहेलना और दुर्घटना को दबाने के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

नहीं था बचाव साधन

हादसा जिस खदान में हुआ, वह 15 वर्षों से बंद घोषित क्षेत्र था। नियमानुसार ऐसी खदान में किसी भी प्रकार की खुदाई या भराई का कार्य केवल उच्चस्तरीय अनुमति, वैज्ञानिक परीक्षण और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बाद ही किया जा सकता है, मगर यहां ना कोई अनुमति पत्र था, ना कोई सुरक्षा अधिकारी, और ना ही चेतावनी बोर्ड या फेंसिंग की व्यवस्था। बताया जा रहा है कि आरकेटीसी कंपनी ने बिना अनुमति के मिट्टी भराई का ठेका लेकर ट्रिपर मशीनों से काम शुरू करा दिया था। बारिश से गीली हुई मिट्टी अचानक धंसी और मजदूर अनिल कुशवाहा अपनी गाड़ी समेत सीधे गहरे पानी में गिर पड़े। घटना के वक्त वहां मौजूद मजदूरों ने चीख-पुकार मचाई, पर किसी के पास बचाव का साधन नहीं था।

टल सकता था हादसा

कोल माइंस सुरक्षा नियमों और खदान अधिनियम 1952 के अनुसार किसी भी संचालन स्थल पर सुरक्षा अधिकारी, आपातकालीन दल और चेतावनी संकेतों की उपस्थिति अनिवार्य है, लेकिन अमलाई खदान में यह सब कागज़ों तक सीमित था। खदान सुरक्षा संगठन (डीजीएमएस) की उदासीनता भी अब सवालों के घेरे में है। 15 साल से बंद पड़ी इस खदान का रिक्लेमेशन और क्लोजर प्लान कभी लागू ही नहीं किया गया। परिजनों का कहना है कि अगर यह प्रक्रिया समय पर पूरी होती, तो यह हादसा टल सकता था।

अंतिम संस्कार के अधिकार का अपमान

घटना के बाद प्रशासन ने शुरुआती चार दिनों तक एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों से सर्च अभियान चलाया, मगर चार दिन बाद ही बिना शव बरामद किए ऑपरेशन बंद कर दिया गया। पंचनामा में यह वादा किया गया था कि साठ दिनों के भीतर पानी निकालकर शव खोजा जाएगा, लेकिन आज तक न तो पानी निकाला गया, न कोई नई खोजबीन की गई। परिजनों का कहना है कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि मृतक के सम्मान और परिवार के अंतिम संस्कार के अधिकार का अपमान है।

वीडियो वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस

हैरानी की बात यह है कि घटना के दिन मौके पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, आईजी और एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, फिर भी एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। पुलिस ने पहले यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि शिकायत लिखित रूप में नहीं मिली और बाद में शिकायत मिलने के बाद भी कार्रवाई जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में डाल दी गई। अब जब मामला अदालत पहुँच गया है और सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल हुआ, तब जाकर पुलिस हरकत में आई है।

अधिकारी रहे मौजूद

इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि हादसे से कुछ मिनट पहले आरकेटीसी के पर्यवेक्षक अजय यादव, प्रबंधक मॉनसन थॉमस और एसईसीएल अधिकारी रमन्ना मौके पर मौजूद हैं और पानी से भरे खतरनाक क्षेत्र में मिट्टी भराई का काम करवा रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया में आग की तरह फैल गया और लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर जब अधिकारी खुद मौके पर थे, तो सुरक्षा के नियमों की अनदेखी क्यों की गई? वीडियो के वायरल होते ही प्रशासन और कंपनी के अफसरों में हड़कंप मच गया और पुलिस ने इसे तकनीकी जांच के लिए जब्त कर लिया।

बड़े अफसरों को बचाने का प्रयास

परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस अब निचले स्तर के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाकर बड़े अफसरों को बचाने की कोशिश कर रही है। कुछ अधिकारियों को क्लीन चिट देने की तैयारी भी बताई जा रही है। हालांकि बढ़ते दबाव के बीच पुलिस ने अब आरकेटीसी के दोनों अफसरों के बयान दर्ज किए हैं और एसईसीएल के क्षेत्रीय अधिकारी अरविंद व रमन्ना को भी जांच के दायरे में लिया है। इस बीच, कोल इंडिया द्वारा तय नीति के अनुसार ठेका श्रमिक की मौत पर 40 लाख रुपये मुआवज़ा दिया जाना चाहिए, परंतु परिजनों को सिर्फ 25 लाख का अंतरिम अनुदान देकर मामले को ठंडा करने की कोशिश की जा रही है। शेष मुआवज़ा महीनों से लंबित है। परिवार ने अदालत में कहा कि यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि न्याय और सम्मान की लड़ाई है।

मजदूरों की जान को दांव पर

अमलाई, बुढ़ार और धनपुरी क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में गुस्सा है। सामाजिक संगठनों ने इसे मौत का कारोबार बताते हुए कहा है कि एसईसीएल और आरकेटीसी जैसी कंपनियां मुनाफे की अंधी दौड़ में मजदूरों की जान को दांव पर लगा रही हैं। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी मांग की है कि खदान में हुए इस हादसे की वैज्ञानिक जांच कराई जाए, शव बरामद किया जाए, और दोषियों पर गंभीर आपराधिक धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाए।

दोषियों पर तत्काल हो कार्यवाही

परिजन अब उच्च न्यायालय से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया है कि सुरक्षा उल्लंघन के दोषियों को तत्काल निलंबित किया जाए, वैज्ञानिक दल गठित कर शव की खोज कराई जाए और मृतक के परिवार को पूर्ण मुआवज़ा व स्थायी रोजगार दिया जाए। अब देखना यह है कि अदालत की सख्ती से क्या इस लापरवाही की परतें खुलेंगी या फिर यह मामला भी सरकारी फाइलों में धूल खाते एक और मृत मजदूर की कहानी बनकर रह जाएगा। कोयलांचल के लोगों की यही मांग है, जिस खदान ने मजदूर को निगल लिया, उसके जिम्मेदारों को अब कानून निगले।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को तीन राष्ट्रीय सम्मान शहडोल ने रचा विकास व जनकल्याण का नया कीर्तिमान

शहडोल। विकास और जनकल्याण की दिशा में आकांक्षी जिला शहडोल ने एक बार फिर पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिला प्रशासन के प्रभावी नेतृत्व और टीम भावना के परिणामस्वरूप शहडोल को एक साथ स्वास्थ्य, पोषण और कृषि नवाचार के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को इन उत्कृष्ट कार्यों के लिए मध्यप्रदेश शासन और भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा प्रशंसा पत्र और सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। सबसे पहले, शहडोल जिले ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। जिले को क्लब फुट मुक्त जिला घोषित किया गया, जिसके लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने कलेक्टर डॉ. सिंह को प्रशंसा पत्र देकर बधाई दी। प्रशंसा पत्र में उल्लेख किया गया है कि जिले में 0 से 18 वर्ष के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान क्लब फुट (जन्मजात विकृति) से पीड़ित बच्चों की पहचान कर 02 से 18 वर्ष के सभी चिन्हित बच्चों की शल्य चिकित्सा कराई गई। निर्धारित समयसीमा 31 मार्च 2025 तक जिले को पूरी तरह क्लब फुट मुक्त घोषित किया गया। यह उपलब्धि कलेक्टर के नेतृत्व, स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता और समस्त चिकित्सा दल के समन्वित प्रयासों का परिणाम बताई गई है। डॉ. सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जागरूकता अभियान, ग्राम स्तर पर शीघ्र पहचान, समुचित उपचार व्यवस्था और निरंतर निगरानी के माध्यम से क्लब फुट जैसी जटिल समस्या पर विजय प्राप्त की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल जिला शहडोल बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है। इसी कड़ी में, भारत सरकार के नीति आयोग ने आकांक्षी जिला शहडोल को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया है। जिले के आकांक्षी ब्लॉक गोहपारू में कृषि क्षेत्र में नवाचार और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए गए। जिले ने लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत मृदा नमूनों की जांच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण सुनिश्चित किया, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन किया और भूजल स्तर बढ़ाने हेतु प्रभावी कदम उठाए।

नीति आयोग ने इन प्रयासों को कृषि क्षेत्र में सतत विकास और पर्यावरणीय संरक्षण का आदर्श मॉडल बताया है। सम्मान प्राप्त करते हुए कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के कृषक भाइयों, कृषि विभाग के मैदानी अमले और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में शहडोल जिले को कृषि नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य जारी रहेगा।

वहीं, तीसरे सम्मान के रूप में नीति आयोग ने जिले में गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य और पोषण आहार कार्यक्रम के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भी शहडोल को सराहा है। आकांक्षी जनपद गोहपारू में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान और पोषण ट्रैकर कार्यक्रम के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, हीमोग्लोबिन जांच और पोषण आहार वितरण की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। नीति आयोग ने इन प्रयासों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संवर्धन का आदर्श मॉडल बताया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि यह सम्मान जिले के स्वास्थ्य अमले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों और जनसामान्य के सहयोग से संभव हुआ है।

रामपुर-बटुरा खदान में किसानों का फूटा गुस्सा

प्रबंधन की टालमटोल पर खदान बंद, चेतावनी

मांगें न पूरी हुईं तो अनिश्चितकालीन ठप करेंगे उत्पादन

शहडोल।

रामपुर-बटुरा खुली खदान परियोजना में प्रबंधन की लचर कार्यप्रणाली और वर्षों से चल रहे वादाखिलाफी से नाराज़ प्रभावित किसानों ने आखिरकार मोर्चा खोल दिया। 12 नवंबर को एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक, क्षेत्रीय अधिकारियों और रामपुर बटुरा प्रबंधन के साथ आयोजित समीक्षा बैठक किसानों के गुस्से का अखाड़ा बन गई। बैठक में ग्रामीणों की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने किसानों की ओर से प्रस्तावित बिंदुवार समस्याओं-पुनर्वास-पुनरुथापना, पूर्ण परिसंपत्तियों का मुआवजा, आश्रितों को रोजगार, नोटिफिकेशन से छूटे भूखंडों का अधिग्रहण और परियोजना प्रभावितों को परियोजना क्षेत्र में ही रोजगार—जैसे मुद्दों को सख्ती से रखा।

नहीं चलेगी एसईसीएल की मनमानी

किसानों ने आरोप लगाया कि तीन से चार वर्षों से रोजगार फाइलें लंबित हैं, बार-बार समय दिए जाने के बाद भी प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बल्कि इस बार भी बैठक में पुराने दावों की पुनः जाँच के नाम पर प्रबंधन ने तीन महीने का अतिरिक्त समय मांग लिया। इस मांग से किसानों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया और उन्होंने बैठक का बहिष्कार करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी, प्रबंधन होश में आओ, किसान एकता जिंदाबाद, एसईसीएल की मनमानी नहीं चलेगी। किसानों ने मौके पर ही संपूर्ण खदान को बंद कर दिया और दो घंटे तक खदान पूरी तरह ठप रही। प्रबंधन की टीम की मौजूदगी में ही संचालन रुक गया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो उठी। किसानों ने घोषणा कर दी कि वे अब खदान के संचालन को अपनी ताकत से रोकेंगे और जब तक उनकी समस्याओं पर समयबद्ध निर्णय नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

टुकड़ों में नहीं लेंगे पुनर्वास

महाप्रबंधक सोहागपुर क्षेत्र बी.के. जोना ने किसानों को आश्वासन दिया कि रोजगार संबंधी मुख्य फाइलें अब मुख्यालय स्तर पर त्वरित संज्ञान में लाई गई हैं और 15 से 20 दिनों के अंदर पात्रों को रोजगार प्रदान कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुनर्वास एवं पुनरुथापना की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जाएगा, लेकिन किसानों ने साफ कहा कि वे अब टुकड़ों में पुनर्वास नहीं लेंगे। संपूर्ण रामपुर-बेलिया क्षेत्र का पुनर्वास एक साथ करवाया जाए, तभी वे परियोजना को सहयोग देंगे।

अब किसानों को ठगा नहीं जा सकता

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि मांगे तय समय सीमा में पूरी नहीं हुईं तो अगले 15 दिनों में खदान को पुनः अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा। किसानों के अनुसार भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया एसईसीएल प्रबंधन द्वारा की गई है, इसलिए अब सारी जिम्मेदारी भी प्रबंधन की ही है, किसान अब किसी अन्य दफ्तर के चक्कर नहीं काटेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने प्रबंधन को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि भूमि हमने दी है, अधिग्रहण आपने किया है, अब रोजगार, पुनर्वास और पुनरुथापना भी आप ही देंगे। किसान कहीं नहीं जाएंगे, अगर बात करनी है तो प्रबंधन यहीं आए। उन्होंने कहा कि किसानों को अब और ठगा नहीं जा सकता। वर्षों से सिर्फ आश्वासन देकर मामले को लटकाया जा रहा है, जबकि प्रभावित परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

हम करेंगे खदान बंद

आंदोलन में सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, जनपद सदस्य मनमोहन चौधरी, सरपंच श्रीमती प्रीमियर बैग, उपसरपंच राजाराम मिश्रा, पूर्व जनपद सदस्य आदित्य त्रिपाठी राठौर, पूर्व उपसरपंच राजेश सोनी, पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, सुशील मिश्रा, सुनील जायसवाल, मूलचंद गुप्ता, झोले बैग, चंद्रवती राठौर, बाबूलाल साहू, रमेश साहू, आशीष गुप्ता, रामौतार गुप्ता, राकेश गुप्ता, बद्री साहू, रोहणी बाल्मिक, वेदांती समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे। किसानों ने कहा कि जब तक उनकी सामूहिक मांगों पर लिखित और समयबद्ध निर्णय नहीं लिए जाते, तब तक किसी भी तरह की बातचीत बेकार है। उनका कहना है कि अब हम खदान बंद करेंगे और यहीं बैठेंगे। जिसे बात करनी है, वह हमारे पास आए। रामपुर-बटुरा में किसानों की इस बड़ी चेतावनी के बाद प्रबंधन के सामने भारी दबाव बन गया है। आने वाले दिनों में संघर्ष और टकराव की स्थिति और तीखी हो सकती है।

रसमोहनी-सगराटोला मार्ग 7 घंटे बंद, ग्रामीणों के दबाव में प्रशासन झुका

शहडोल।

वर्षों से खस्ताहाल सड़क और अधूरी नालियों से परेशान रसमोहिनी और सगराटोला के ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह अपने गुस्से का प्रदर्शन करते हुए सड़क पर चक्काजाम कर दिया। करीब सात घंटे तक मार्ग पूरी तरह ठप रहने से आम नागरिक, स्कूली वाहन और आवश्यक सेवाएं बाधित रहीं। ग्रामीणों ने कहा कि चुनाव के दौरान कई नेताओं ने सड़क और नाली निर्माण के वादे किए, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी धरातल पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। बार-बार आश्वासन देने वाले अधिकारियों के रवैये से जनता में गहरा आक्रोश जमा हो गया।

सुबह 9 बजे शुरू हुआ चक्काजाम धीरे-धीरे गंभीर रूप धारण कर गया। सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर बैठ गए और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया। बढ़ते दबाव के बीच जैतपुर एसडीएम दीपक मंडावी, तहसीलदार और पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन अभियंता मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया और बताया कि सड़क निर्माण का टेंडर अगले दो महीनों में पूरा हो जाएगा। तत्काल राहत स्वरूप मार्ग पर गड्ढे भरने और अस्थायी मरम्मत कराने का आश्वासन भी दिया गया।

ग्रामीणों ने प्रशासन के भरोसे को मानते हुए शाम 4 बजे चक्काजाम समाप्त किया और वाहनों की आवाजाही बहाल हुई। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दो महीने में कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे पुनः मार्ग बंद कर सशक्त आंदोलन करेंगे। यह आंदोलन साफ संदेश देता है कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता अब केवल आश्वासन नहीं चाहती, बल्कि ठोस परिणाम की मांग कर रही है। वर्षों की उपेक्षा और टूटी सड़कें न केवल आम जनजीवन को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास को भी हिला रही हैं।

खबर संक्षेप

वॉलीबॉल प्रतियोगिता एवं चयन ट्रायल महाविद्यालय में संपन्न

उमरिया। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग वार्षिक खेल कैलेंडर 2025-26 के अनुसार जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय नौरोजाबाद में किया गया। जिले के महाविद्यालय स्तरीय चयनित समस्त महाविद्यालय नौरोजाबाद महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज उपरांत सहभागिता की । महाविद्यालय में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु टीम का चयन किया गया जिसमें चंदिया उमरिया,आदर्श महाविद्यालय उमरिया,नौरोजाबाद आदि महाविद्यालय के खिलाड़ियों का चयन किया गया । जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ चंदिया महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी धर्म शर्मा ,रणविजय प्रताप महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी जितेंद्र कुमार ,शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया के क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र कनौजिया , क्रीड़ा प्रभारी रेमसिंह हटीला ,प्रभारी प्राचार्य डॉ. परमेश्वर सिंह मरावी, प्रभारी प्राचार्य भारेवा शिव कुमार हल्दकार एवं आयोजक महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ नारायण सिंह की उपस्थिति में वॉलीबॉल जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता संपन्न हुई ।
क्रीड़ा प्रभारी रेमसिंह हटिला ने खिलाड़ियों संबोधित करते हुए बताया कि जिस प्रकार शिक्षा के साथ-व्यक्तित्व विकास जरूरी है ,वैसे ही जीवन में खेल शारीरिक विकास के लिए जरूरी है ।सभी अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को शुभकामना संदेश प्रेषित किया ।

महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर संपन्न

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस.चंदेल ने बताया कि नोडल उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री एक्सीलेंस महाविद्यालय आर वी पी सी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कुल 124 छात्र छात्राओं ने लाभ प्राप्त किया । शिविर में डॉक्टर अनिल गुप्ता द्वारा सामान्य जांच उपचार हेतु दवाइयां वितरण की गई। एएनएम प्रीति यादव के द्वारा एचबी की जांच 55 छात्र छात्राओं की गई,वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिभा यादव द्वारा ओरल हेल्थ में कुल 54 छात्र-छात्राओं की जांच कर परामर्श दिया गया । चौट बोर्ड 34 छात्र-छात्राओं को जोड़ा गया। मनहित मोबाइल एप में 45 छात्र-छात्राओं को डाउनलोड कराया गया । किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता पूनम मिश्रा एवं वर्षा त्रिपाठी के द्वारा 114 छात्र छात्राओं का बीएमआई जांच की गई जिसमें ओवरवेट 8 एवं अंडरवेट 41 छात्राएं की जांच की गई एवं उचित पोषण आहार वह फिजिकल एक्टिविटी करने हेतु परामर्श दिया गया। मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में वीना पटेल एवं सविता भगत के द्वारा छात्र-छात्राओं को चिन्हांकित कर दो छात्रों को मन क्लिनिक हेतु रेफर किया गया। कमलाकर सिंह नेत्र सहायक के द्वारा कल 52 बच्चों में से 24 बच्चों को नेत्र जांच कर आगामी उपचार हेतु चिन्हित किया गया।आयुष्मान के जिला समन्वयक कुलदीप के द्वारा 14 आभा आईडी एवं दो आयुष्मान कार्ड बनाए गए उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ विमला मरावी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा ।

धूमधाम से मनाया जाएगा बाल दिवस

कोतमा। जिले भर में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन को बाल दिवस भी कहा जाता है। इसके अलावा इस अवसर पर बच्चों के लिए खास कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बाल दिवस पर नगर के स्कूलों में चित्रकला, नाटक, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। बच्चों को एक दिन की आजादी मिलती है कि वे स्कूल में मौज-मस्ती करें। नगर में स्थित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों मे बाल दिवस के साथ ही बाल मेले का आयोजन किया जाएगा जिसमें बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के पकवानों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

बुकिंग के बाद हफ्तों इंतजार, कर्मचारियों की मनमानी से लोग परेशान

एचपी गैस आपूर्ति व्यवस्था चरमराई, उपभोक्ता बेहाल

एकमात्र एजेंसी पर निर्भरता से बढ़ी किल्लत

धनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र में एचपी रसोई गैस की आपूर्ति एक बार फिर चरमराने लगी है, जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे अंतराल में बुकिंग, गैस सिलेंडर की समय पर डिलीवरी न होना और कर्मचारियों की मनमानी के आरोप उपभोक्ताओं में रोष पैदा कर रहे हैं। क्षेत्र में एचपी की मात्र एक एजेंसी होने का लाभ उठाकर काला बाजारी और अनियमितता होने की शिकायतें भी जोरों पर हैं।

कोयलांचल का धनपुरी, बुढ़ार, अमलाई और बकहो क्षेत्र इन दिनों एचपी रसोई गैस की अनियमित आपूर्ति से जूझ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि क्षेत्र में एचपी गैस की डिलीवरी व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि बुकिंग के बाद 10 से 15 दिनों तक सिलेंडर का कोई पता नहीं चलता, जबकि दूसरी ओर गैस एजेंसी के कर्मचारी मनमानी व वसूली जैसी गतिविधियों में शामिल दिख रहे हैं। लोगों का आरोप है कि समय पर गैस न पहुंचने से घरेलू कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और कई बार बाजार से महंगे दामों में गैस खरीदने की नौबत आ जाती है।

एक मात्र एजेंसी के भरोसे

स्थानीय लोगों ने बताया कि समस्या सिर्फ एचपी गैस में है। इंडेन और भारत गैस की आपूर्ति क्षेत्र में सामान्य है और उपभोक्ताओं को किसी तरह की दिक्कत नहीं आ रही है, लेकिन एचपी गैस उपभोक्ताओं की संख्या अधिक होने के कारण समस्या ज्यादा विकराल हो गई है। बुढ़ार स्थित एचपी की एकमात्र एजेंसी ही पूरे कोयलांचल क्षेत्र में गैस आपूर्ति करती है। यह क्षेत्र चार नगरीय निकायों—धनपुरी, बुढ़ार, अमलाई और बकहो—के साथ-साथ शहडोल व अनूपपुर की सीमा रेखा के बीच आता है। इतने बड़े क्षेत्र में एकमात्र एजेंसी के भरोसे आपूर्ति तंत्र संचालित होने से व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है।

लगातार आपूर्ति में गिरावट

स्थानीय महिलाओं का कहना है कि कई बार गैस खत्म होने के बाद चूल्हा जलाना पड़ता है, जिससे घर का दैनिक कामकाज बिगड़ जाता है। उपभोक्ता दिनभर गैस की डिलीवरी के इंतजार में घर पर बैठे रहते हैं, लेकिन सिलेंडर न आने से पूरा दिन खराब हो जाता है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि पहले यह समस्या नहीं थी, लेकिन पिछले 4-5 सालों से एचपी गैस की आपूर्ति में लगातार गिरावट आई है। अचानक बढ़े अंतराल, ऑनलाइन प्रक्रिया की दिक्कतें और ओटीपी आधारित डिलीवरी के नए नियमों ने हालात और भी खराब कर दिए हैं।

ब्लैक में बिक्री की शिकायत

एक उपभोक्ता का कहना है कि जब बुकिंग की जाती है, तो एजेंसी की ओर से कहा जाता है कि सप्लाई जल्द मिलेगी, लेकिन हफ्तों तक सिलेंडर नहीं आता। दूसरी ओर, गैस की ब्लैक में बिक्री होने की भी शिकायत मिल रही है। कुछ लोगों का आरोप है कि बुकिंग के बाद भी पहले से तय ग्राहकों को सिलेंडर दे दिया जाता है, जबकि सामान्य उपभोक्ता लंबी प्रतीक्षा में फंस जाते हैं। इससे काला बाजार को बढ़ावा मिल रहा है और लोग मजबूरी में महंगे दाम पर गैस खरीदने को विवश हैं।

डिलीवरी में देरी और ब्लैक मार्केटिंग के आरोप

बढ़ा दी उपभोक्ताओं की मुश्किलें

उपभोक्ता यह भी कहते हैं कि सरकारी सब्सिडी का भी कोई स्पष्ट हिसाब नहीं मिल रहा है। कई उपभोक्ताओं के खाते में महीनों से सब्सिडी नहीं आई। जब एजेंसी से पूछा जाता है, तो अस्पष्ट जवाब मिलते हैं। ऑनलाइन बुकिंग और ओटीपी आधारित डिलीवरी की व्यवस्था ने उन उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, जो तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम नहीं हैं। कई बार ओटीपी न मिलने पर सिलेंडर वापस ले जाया जाता है और उपभोक्ता फिर से परेशान होता है।

एजेंसी के कर्मचारियों की मनमानी

बीते कुछ महीनों में एचपी गैस एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा मनमानी के कई मामले सामने आए। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ कर्मचारी बिना वजह डिलीवरी टाल देते हैं और फोन करने पर अभद्र व्यवहार करते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि एजेंसी अब शहर से दूर के वार्डों या खदान क्षेत्र में गैस भेजने से कतराती है, जबकि पहले घर-घर सप्लाई में किसी तरह की दिक्कत नहीं थी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी एचपी गैस की आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इतने बड़े क्षेत्र में सिर्फ एक गैस एजेंसी पर्याप्त नहीं है। सरकार और कंपनी को मिलकर यहां नई एजेंसियां खोलने या डिलीवरी तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। उपभोक्ता समूहों ने प्रशासन से जांच की मांग की है और कहा है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो वे सामूहिक शिकायत दर्ज कराएंगे।

बनाये जा रहे बहाने

क्षेत्रवासियों का कहना है कि गैस जैसी अनिवार्य वस्तु की आपूर्ति में गड़बड़ी होना सरकारी लापरवाही का संकेत है। गैस एजेंसी पर निगरानी बढ़ाई जाए और काला बाजार की शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। लोगों का यह भी कहना है कि एचपी कंपनी को उपभोक्ताओं के लिए स्थानीय हेल्पलाइन सक्रिय करनी चाहिए, जिससे उनकी शिकायतों का समय पर समाधान हो सके। एजेंसी संचालकों की ओर से अब तक कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। हालांकि कर्मचारियों ने अनौपचारिक रूप से क्षेत्रफल बड़ा होने और डिलीवरी स्टाफ की कमी को समस्या का कारण बताया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि समस्या समाधान के बजाय बहाने बनाए जा रहे हैं और कंपनी की उदासीनता से आम लोग परेशान हो रहे हैं।

सब्सिडी और ओटीपी सिस्टम ने बढ़ाई मुश्किलें

सुनील चौधरी, धनपुरी निवासी
एचपी गैस की आपूर्ति बेहद अव्यवस्थित हो गई है। बुकिंग के बाद 10-15 दिन तक कोई जानकारी नहीं मिलती। कई बार गैस खत्म होते ही चूल्हा बंद हो जाता है और बाजार से महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदना पड़ता है। एजेंसी मनमानी कर रही है।

रीना तिवारी, बुढ़ार
पहले गैस समय पर मिल जाती थी, लेकिन अब हर बार इंतजार करना पड़ता है। ओटीपी सिस्टम ने परेशानी बढ़ा दी है। कई बार ओटीपी नहीं आता और सिलेंडर वापस ले जाते हैं। महिलाओं की दैनिक दिनचर्या पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।

रामकुमार सिंह, अमलाई
ब्लैक मार्केटिंग की शिकायतें सही हैं। जिनके पास पहचान या पहुंच है, उन्हें पहले गैस मिलती है। आम उपभोक्ता लंबी लाइन में लगा रहता है। एक एजेंसी के भरोसे इतना बड़ा क्षेत्र संभाला नहीं जा सकता। प्रशासन को हस्तक्षेप करना चाहिए।

सुशीला पटेल, बकहो
सब्सिडी महीनों से नहीं मिल रही है और पूछने पर एजेंसी स्पष्ट जवाब नहीं देती। गैस की कमी से रोजमर्रा का काम बिगड़ रहा है। पहले कभी ऐसी समस्या नहीं थी, लेकिन अब हर महीने संघर्ष करना पड़ रहा है। कंपनी को स्थिति सुधारनी चाहिए।

जिले के चार किसानों के खाते में भावांतर योजना की राशि हुई अंतरित

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिला देवास से भावांतर योजना के तहत प्रदेश के 1.33 लाख किसानो के खाते में 233 करोड़ रूपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि उपज मंडी मे देखा एवं सुना गया। उमरिया जिले के चार किसानों के खाते मे 45 हजार 466 रूपये अंतरित किए जिसमें कृषक मनीराम सिंह के खाते में 17682 रूपये, राजेश सिंह को 12630 रूपये, समरबहादुर सिंह को 7577 रूपये तथा धनीराम सिंह को 7577 रूपये का भावांतर योजना का लाभ प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मंडी मे आयोजित किया गया।जिले में अब तक 18 किसानो ने 154 क्विंटल 66 किलो सोयाबीन का विक्रय किया है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह, उप रजिस्ट्रार आशीष श्रीवास्तव,धनुषधारी सिंह, कमलेश गुप्ता,दिवाकर सिंह सहित बडी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बड़ेरी, बरबसपुर, खैरा, धमोखर, परासी, ताला पहुंची जन जातीय गौरव रथ यात्रा

उमरिया। सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी ने बताया कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह पर प्रारंभ हुई जन जातीय गौरव रथ के माध्यम से बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जा रहा है। जन जातीय गौरव रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है । उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को जन जातीय गौरव रथ यात्रा घंघरी से प्रारंभ हुई जो बड़ेरी, बरबसपुर, खैरा, धमोखर, परासी, ताला, गुरूवाही, पतौर, भड़ारी , सिगुड़ी होते हुए मानपुर पहुंची, जहां यात्रा का विश्राम हुआ। इस दौरान ग्रामों में बताया गया कि धरती आबा (धरती के पिता) भगवान बिरसा मुण्डा जी का जन्म 15 नवंबर,1875 को उलिहातू गांव में हुआ था। वे गरीब किसान परिवार से थे और मुंडा जनजाति से संबंधित थे। उन्होंने चाईबासा की स्कूल में पढ़ाई की, जहाँ वे राष्ट्रीय आंदोलन से प्रभावित हुए। उन्होंने ब्रिटिश शासन और जमींदारी व्यवस्था के अत्याचारों के खिलाफ मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया। उन्होंने बिरसाइत नामक एक नया धर्म की स्थापना की, जो एक ईश्वर में विश्वास करता था और आदिवासी समाज में सुधार पर जोर देता था।उन्होंने शराब, जादू-टोना और तंत्र-मंत्र के खिलाफ अभियान चलाया और आदिवासियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और अधिकारों के बारे में जागरूक किया। बिरसा मुंडा को आज भी आदिवासियों द्वारा भगवान के रूप में पूजा जाता है और 15 नवंबर को भारत सरकार द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

कठार से प्रारंभ होगी जनजातीय गौरव रथ यात्रा
सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डॉ. पूजा द्विवेदी ने बताया कि 13 नवंबर को जन जातीय गौरव रथ यात्रा कठार से प्रारंभ होगी, जो बडारी, बिजौरी, केल्हारी, खिचकिडी ,चौरी,भौतरा,बलवई, ओदरी, मोहतराई, घघराड, धौरई, भदरा, पहडिया, अमिलिहा, घुनघुटी, मुदरिया होते हुए पाली पहुंचेगी जहां यात्रा का रात्रि विश्राम होगा।

डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 4.0 का शुभारंभ

बंकिम विहार में हुआ विशेष शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कोयला खान भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर एवं साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में "राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 4.0" के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन जमुना कॉलोनी स्थित बंकिम बिहार परिसर में किया गया। अभियान के तहत 1 से 30 नवम्बर तक देशभर के पेंशनभोगियों को अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में 13 एवं 14 नवम्बर को जमुना कोतमा क्षेत्र में यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में पेंशनभोगियों ने भाग लिया और डिजिटल माध्यम से अपने जीवन प्रमाण प्रस्तुत किए। शिविर में पेंशनभोगियों को मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई गई अभियान का उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल सुविधा देकर उनके पेंशन भुगतान में निरंतरता बनाए रखना है। कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक धर्मा राव ने बताया कि "यह डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट के लिए विशेष कैंप लगाया गया है एसईसीएल और सीएमपीएफओ मिलकर यह निर्णय लिया गया है कि पेंशनभोगियों के घर-घर जाकर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाए जाएंगे, जिससे वे अपने घर से ही ऑनलाइन जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकें दो दिवसीय इस शिविर में आज लगभग 400 लोगों का लाइफ सर्टिफिकेट तैयार किया गया है, और यह प्रक्रिया कल भी जारी रहेगी। पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि "सीनियर सिटीजन के हित में यह अत्यंत सराहनीय पहल है पहले पेंशनभोगियों को जीवित प्रमाण पत्र के लिए भटकना पड़ता था, अब यह सुविधा उन्हें घर पर ही उपलब्ध हो रही है साथ ही, सीएमपीएफओ द्वारा पूर्व में लगाए जाने वाले लोक अदालतों को पुनः प्रारंभ किए जाने की आवश्यकता है। बंकिम बिहार के केयरटेकर सुखविंदर सिंह ने बताया कि "शिविर में आए सभी सेवानिवृत्त कोयला कर्मियों के रहने और भोजन की पूरी व्यवस्था प्रबंधन द्वारा की गई थी, ताकि किसी को कोई असुविधा न हो। अभियान को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन, एसईसीएल कर्मियों एवं पेंशनर एसोसिएशन का विशेष सहयोग रहा।

राजस्व न्यायालय के रीडर ऑपरेटर और पटवारियों का प्रशिक्षण प्रारंभ

उमरिया। शहडोल संभागायुक्त सुरभि गुप्ता के निर्देशानुसार संभाग के तीनों जिलों में राजस्व न्यायालय में कार्यरत रीडर,ऑपरेटर तथा पटवारियों का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार के निर्देश पर उमरिया जिले के मानपुर तहसील के राजस्व विभाग के अनुविभागीय ओर तहसील न्यायालय के समस्त रीडर , ऑपरेटर ओर पटवारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय महाविद्यालय मानपुर में आयोजित किया गया ।प्रशिक्षण में संभागीय सलाहकार शहडोल संभाग उपेंद्र त्रिपाठी ने राजस्व प्रकरणों के पंजीयन और निराकरण से संबंधित पोर्टल्ज आरसीएमएस वेब जी आई एस,सारा के बारे में लाइव प्रशिक्षण प्रदान किया गया , तहसील स्तर पर साइबर तहसील के 1.0 तथा 2.0 में पटवारी रिपोर्ट आने के बाद उनका निराकरण कैसे करे किसी प्रकरण में पॉजिटिव रिपोर्ट है पर न्यायालय में आपत्ति प्राप्त हुई तो कैसे समाधान करे उसके बारे में बताया गया ,इसके साथ साथ आरसीएमएस में दर्ज भूमि आवंटन के प्रकरण में कलेक्टर न्यायालय से दर्ज होकर किस तरह एसडीएम और तहसीलदार तक ऑनलाइन माध्यम से भेजना है तथा पटवारी रिपोर्ट के बाद पुनः कलेक्टर न्यायालय तक अंतिम आदेश हेतु प्रकरण भेजना है के बारे में भी बताया गया , इसके साथ त्ब्डै में लंबित आर्थिक सहायता, डायवर्शन, बंटवारा,सीमांकन तथा अन्य मॉड्यूल के बारे में भी ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया साथ ही पेशी से गिरे प्रकरण एवं रीडर तथा पीठासीन अधिकारी की राजस्व आई डी में कोई भी प्रकरण बे वजह लंबित नहीं रहे की समझाइश भी प्रदान की गई राज्य शासन द्वारा राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों के पंजीयन ओर निराकरण के लिए आरसीएमएस आरसीएमएस पोर्टल बनाया गया है जिसके माध्यम से लोक सेवा से अधिसूचित प्रकरणों के साथ साथ सभी प्रकरणों का पंजीयन एवं निराकरण किया जाता है , तथा कई बार तकनीकी त्रुटि या ऑनलाइन प्रक्रिया के जानकारी के अभाव में प्रकरण समय सीमा से बाहर हो जाते है जिसके कारण निराकरण होने में समय लगता है,हितग्राहियों को समय पर राजस्व न्यायालय से प्रकरणों का निराकरण होकर कार्य हो तथा किसी भी प्रकार से आवेदकों को परेशान ना होना पड़े उसके ध्यानार्थ यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया था जिसमें श्री उपेंद्र त्रिपाठी ने सभी मॉड्यूल का ऑनलाइन लाइव प्रकरण वार जानकारी प्रदान की .प्रशिक्षण में अनुविभागीय अधिकारी हरनीत कौर कलसी, तहसीलदार पंकज तिवारी, सनथ सिंह ,पनिका समस्त उपस्थित रहे ।

गणना पत्रक वितरण कार्य का तहसीलदार बांधवगढ़ ने किया निरीक्षण

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिले में मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के एसआईआर प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और दो प्रतियों में तैयार गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं और एप पर उपलब्ध लिंक पर मतदाता विवरण अद्यतन कर रहे हैं। तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी ने जिला मुख्यालय के मतदान केंद्र 130 मे चल रहे गणना वितरण कार्य का अवलोकन किया तथा मतदाताओ को गणना पत्रक का वितरण किया। इस दौरान बताया गया कि 1196 मे से 590 गणना पत्रक वितरित किये जा चुके है। इस दौरान घंघरी, महिमार में गणना वितरण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होने मतदाताओं से अपील की है कि जब बीएलओ आपके घर आएँ, तो कृपया उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें। बीएलओ के पास पहले से मतदाता सूची 2025 के विवरण के अनुसार आपके नाम, पता और इपिक नंबर सहित प्री-प्रिंटेड एन्यूमरेशन फॉर्म होगा। इस फॉर्म में भरी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक जाँचे तथा पुष्टि करें। जिन परिवारों में कोई नया सदस्य 1 जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है, उनका नाम मतदाता सूची में जोडने के लिए बीएलओ द्वारा फॉर्म-6 उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी परिवार सदस्य का निधन हो गया हो या वह अन्यत्र स्थानांतरित हो गया हो, तो उसकी जानकारी भी बीएलओ को दें ताकि सूची से नाम विलोपित किया जा सके। घर-घर सत्यापन के बाद 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। नागरिक 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक अपने नाम संबंधी दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

एआई पर आधारित गैर आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्डरी एजुकेशन) अंतर्गत लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के अनुसार एनईपी 2020 में किए गये प्रावधानों के अनुरूप, विद्यार्थियो एवं शिक्षको में 21वीं सदी के कौशल विकसित करना तथा उन्हें आधुनिक जीवन के अनुकूलित करना प्रावधानित है। एनईपी 2020 की मंशानुसार उमरिया जिले के चयनित 134 शासकीय हाई स्कूल / उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की डिजिटल शिक्षण क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पर एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था उमरिया मे ईडीसीआईएल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा आयोजित किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर मोहित कुमार नई दिल्ली नोएडा द्वारा पाली एवं मानपुर विकासखण्ड के प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में विनोद कुमार मनवारे, डाईट प्राचार्य, विनीत कुमार के. व्ही. सहायक परियोजना समन्वयक एवं विपिन तिवारी जिला प्रभारी द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। मास्टर ट्रेनर द्वारा निम्नलिखित विषय वस्तु पर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण दिया गया।इस अवसर पर कृतिम बुद्धिमत्ता की मूल भूत अवधारणाएं एवं परिभाषाएं, शिक्षा में एआई का उपयोग उदाहरण सहित स्पष्टता, एआई आधारित शिक्षण सामग्री और टूल्स का परिचय, एआई के उपयोग से पाठ योजना एवं मूल्यांकन में सुधार के तरीके, प्रायोगिक सत्र एआई टूल्स का उपयोग एवं लाइव डेमो, विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता और रचनात्मक सोच बढ़ाने के उपाय, चौट जी पी टी मे प्रश्न पत्रों का निर्माण एवं विद्यार्थियों को अध्यापन कराने के तरीके बताए गये।

दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

उमरिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या ने बताया कि दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन पीएमश्री रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में एकल चित्रकला, कहानी, कविता, विज्ञान मेला तथा भाषण में प्रथम तथा द्वितीय स्थान वाले प्रतिभागियो ने शहडोल में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। सेंट जोसेफ पाली का लोकनृत्य तथा सेंट्रल एकादमी का लोकगीत भी संभागीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि राकेश शर्मा ने कहा कि सेंट जोसेफ पाली की प्रस्तुति में एक समुदाय विशेष स्कूल के युवाओं की प्रस्तुती में एक भारत एक संस्कृति व संस्कार को देख मन मुग्ध हो गया । नागेन्द्र प्रताप सिंह अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ने धर्म व उपनिषद के बारे में बताया की स्वामी विवेकानंद जी की जीवन शैली व उनकी जीवनी से युवाओं को अवश्य प्रेरणा लेनी चाहिए शिक्षा व धर्म के प्रति उनका संदेश विश्व में विख्यात है । आज का युवा भारत में युवाओं की अधिक संख्या भारत का आने वाला स्वर्णिम भविष्य निर्मित करेगा।कार्यक्रम को अमित सिंह ने भी संबोधित किया। जिला स्तरीय युवा उत्सव के समापन व पुरस्कार वितरण में डॉ. विमला मरावी, प्राचार्य रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय जितेन्द्र सिंह, खेल अधिकारी महाविद्यालय रेशमा शर्मा ,समन्वयक पाली श्याम शर्मा, ऋषिराज पुरवार, डॉ. मनीषा पाण्डे चंदिया डॉ. मनीषा अग्रवाल पाली, पवन कुमार बड़ा, शक्ति असावर, अतुल रजक, दुर्गेश साहू का सराहनीय सहयोग रहा।
प्रतियोगिता में निर्णायकों कि भूमिका में विष्णु दिवेदी आर. सी. स्कूल सौहन चौधरी, संदीपनी स्कूल वरिष्ठ कलाकार रंगकर्मी दीपक दर्दवंशी कविताकार वरिष्ठ कवि शंभू सोनी ,साधना राउत, लालजी साहू कन्या विद्यालय, महाविद्यालय से ऋषि राज पुरवार भूपेन्द्र दिवेदी ने निष्पक्ष निर्णय देकर कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

खबर संक्षेप

पुलिस ने तीन नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित लौटाया

शहडोल। जिले की खैरहा पुलिस ने इस माह तीन नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित ढंग से परिजनों के सुपुर्द कर सुरक्षा की मिसाल पेश की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लंबित गुमशुदगी प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना खैरहा ने सतत प्रयासों के बाद तीनों बालिकाओं को सही सलामत लौटाया। पहला मामला 30 जुलाई 2025 का है, जब 17 वर्षीय बालिका के बहला-फुसलाकर अगवा होने की गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने तत्परता से विवेचना कर परिजनों से महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई और सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बालिका को 1 नवंबर 2025 को राजस्थान के श्रीविजयनगर से बरामद किया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। दूसरा प्रकरण 5 जून 2025 का था, जिसमें 17 वर्षीय बालिका के बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज हुई। पुलिस टीम ने लगातार खोजबीन और जांच के बाद 2 नवंबर 2025 को बालिका को चुरहट, जिला सीधी से सुरक्षित बरामद किया और विधि अनुसार परिजनों के हवाले किया। तीसरा मामला 23 सितंबर 2025 का था, जब 15 वर्षीय बालिका के बहलाकर अपहरण की शिकायत मिली। पुलिस ने गहन जांच कर महत्वपूर्ण सूचनाओं के आधार पर 2 नवंबर 2025 को बालिका को ग्राम सेंम्बल, थाना वरोरा, जिला चंद्रपुर, महाराष्ट्र से बरामद कर सुरक्षित परिजनों को सौंपा। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में सुंदर सिंह, संतोष कुमार, जवाहर सिंह, रामरति आर्मो, रवि मानिकपुरी और बलभद्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खैरहा पुलिस की इस सफलता ने यह संदेश दिया कि नाबालिग बालिकाओं की सुरक्षा और हर गुमशुदा मामले में त्वरित और गंभीर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए थाना पूरी तरह सतर्क है।

दवा व्यवसाय के वरिष्ठता का उत्कृष्ट सेवा सम्मान

विजयराघवगढ़। दवा विक्रेता संघ संगठन के विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें दवा विक्रेता संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं जिले के समस्त दवा व्यवसाईयों द्वारा धनवंतरी जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके उपरांत समस्त दवा विक्रेताओं द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष गौतम चंद्र धीग का तिलक लगा कर माल्यार्पण से स्वागत किया गया। जिले के समस्त दबा व्यवसाईयों की ओर से नगर के वरिष्ठ दवा व्यवसायी एवं पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार पांडे का प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा तिलक लगाकर साल श्रीफल से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के दवा विक्रेता संघ के समस्त सदस्यों द्वारा श्री पांडे का करतल ध्वनि से स्वागत कर उनके सुदीर्घ जीवन की कामना की गई।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, स्वच्छता में करें सहयोग

कटनी। निगम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड में सफाई कर्मियों को समय पर उपस्थिति और जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों से निकलने वाला कचरा निर्धारित समय पर निगम के वाहनों को ही दें और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने से बचें। निगम प्रशासन का मानना है कि स्वच्छता अभियान तभी सफल होगा जब इसमें नागरिकों का सक्रिय सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही निगम प्रशासन द्वारा सुचारू जल निकासी हेतु विभिन्न क्षेत्रों में नाली नालों से अपशिष्ट एवं सिल्ट का उठाव कार्य भी समय समय पर किया जा रहा है जिससे जल निकासी व्यवस्था सुगम बनी रहे। निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कहा कि "स्वच्छ शहर, सुंदर शहर तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे।" उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि वे निगम के स्वच्छता कर्मियों के सहयोगी बनें और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

राजमिस्त्री का काम खत्म कर लौट रहे

दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

बाणसागर देवलौद

एक दर्दनाक सड़क हादसे ने क्षेत्र में मातम फैला दिया। जानकारी के अनुसार महेश साकेत पिता विश्वनाथ साकेत (25 वर्ष) निवासी धारी नंबर दो, मोहल्ला परैहा टोला, तथा राजकुमार कोल पिता चन्दू कोल (30 वर्ष) निवासी ग्राम समान, टोला कोड़री, ग्राम पंचायत जनकपुर, दोनों युवक ग्राम कुसमानी में घर निर्माण का राजमिस्त्री कार्य कर दिनभर मेहनत के बाद मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे।बताया गया कि बुढ़वा स्थित बैसाखी महुआ के पास, रमाकांत पांडे के घर के सामने ट्रक क्रमांक MP17 HH 3501 ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर काफी मात्रा में खून फैल गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक ने खून के धब्बों को धान के पुआल से ढकने का प्रयास किया, तभी परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुँच गए। चालक ट्रक लेकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन सूचना मिलते ही थाना देवलौद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक का पीछा कर उसे पकड़ लिया और थाने में खड़ा कर दिया।घायलों को तत्काल बाणसागर परियोजना चिकित्सालय देवलौद लाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।थाना देवलौद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

जनजातीय महानायकों के योगदान से आमजन को अवगत कराने चलाये जा रहे है प्रचार रथ

शहडोल। जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय महानायको का देश की स्वतंत्रता में दिये गए योगदान तथा जनजातीय समाज एवं उनके जीवन आदर्शों से आमजन को अवगत कराने के उददेश्य से जिले की तीनो विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार रथ के माध्यम से जन जागरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। निर्धारित रूट में भ्रमण करते हुए ये प्रचार रथ स्थानीय समाज के अग्रणी व्यक्तियो, खेल, संस्कृति तथा जनजातीय संगीत, कला, उन्नत कृषको को सम्मानित करने का कार्य भी किया जा रहा है। 12 नवम्बर को जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने सोहागपुर जनपद पंचायत के कंकाली मंदिर परिसर से हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। 12 नवम्बर को प्रचार रथ चंदनिया, पंचगांव, कल्याणपुर, एवं शहडोल नगर के जय स्तम्भ चौक, भूसा तिराहा एवं 13 नवम्बर को शहडोल नगर के पार्वती अस्पताल समीप, महाराणा चौक, ग्राम जमुई, छतवई, बरमनिया, लेदरा चुहिरी में भ्रमण कर जनजातीय महानायको के योगदान से आमजन को अवगत कराया गया। 14 नवम्बर को यह प्रचार रथ ग्राम बरेली, गोहपारू, सेमरा, टेटका, सरसी, खन्नौधी, कुबरा एवं जयसिंहनगर में भ्रमण करेगा। इसी प्रकार जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने प्रसिद्व भटिया देवी परिसर सें हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। प्रचार रथ 12 नवम्बर को बहगढ, भठिया, रसमोहनी, बरगंवा, झींकबिजुरी, केशवाही में 13 नवम्बर को गिरवा, अतरिया, बिछिया, बटुरा, बकहो, बिरूहली, छांटा, सेमरा, कंचनपुर में भ्रमण कर जनजातीय महानायको के योगदान से आमजन को अवगत कराया गया। प्रचार रथ 14 नवम्बर को ग्राम करकटी, सिरौजा, खैरहा, सामतपुर, धनपुरी में भ्रमण करेगा। ग्राधिया के सीतामढी परिसर से हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया गया। 12 नवम्बर को गांधिया, दादर, चदौरा, रिमार, पतेरिया, पहडिया, छक्ता, मलौटी, उमरखोही, आमडीह एवं 13 नवम्बर को झिरिया, बलौडी, सन्नौसी, खडडा, मैरटोला, आखेटपुर, देवगांव, पसगढी, बुडवा, सुखाड, कुम्हिया, सेहरा में प्रचार रथ भ्रमण कर जनजातीय महानायको के योगदान से आमजन को अवगत कराया गया। 14 नवम्बर को ब्यौहारी, भोलहरा, धांधोकुई खैरा, गांजर, तिखवा एवं पपौध में प्रचार रथ भ्रमण करेगा।

शहडोल में नवंबर की शुरुआत में ही कड़ाके की ठंड

न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

शहडोल।

जिले में इस बार सर्दी ने नवंबर के पहले हफ्ते में ही अपना असली रूप दिखा दिया है। भारतीय मौसम विभाग, भोपाल के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को शहडोल जिले का न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। बुधवार को ही यहां न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस था, यानी लगातार दूसरे दिन शहडोल प्रदेश के सबसे ठंडे जिलों में शामिल रहा।

सुबह से ही लोगों को हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने परेशान कर दिया। सर्द हवाओं ने अधिकांश नागरिकों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया। जो लोग अपने जरूरी कामों के लिए बाहर निकले, वे मोटे कपड़े, मफलर और स्वेटर में लिपटे दिखाई दिए। शहर के प्रमुख बाजारों और चौराहों में अलाव जलाकर लोग ठंड से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, चाय और नाश्ते की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ लगी रही। रात के समय ठंड का असर और भी गंभीर हो गया। कई इलाकों में लोग घरों के बाहर या गलियों में लकडियां जलाकर तापमान कम होने का मुकाबला कर रहे हैं। बेघर और फुटपाथ पर रहने वाले नागरिकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि उनके पास ठंड से बचने के पर्याप्त साधन नहीं हैं। नगर पालिका ने अलाव की व्यवस्था की है, लेकिन कई स्थानों पर यह अपर्याप्त साबित हो रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर भारत में सक्रिय ठंडी हवाओं के चलते आने वाले दिनों में शहडोल और आसपास के जिलों में तापमान और गिर सकता है। जिले में 'तीव्र शीत लहर' की संभावना जताई गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी कड़ाके की ठंड नवंबर में कई वर्षों बाद महसूस हो रही है। किसान और खेतों में काम करने वाले मजदूर सुबह देर से ही काम पर निकल रहे हैं। बच्चों का स्कूल आने-जाने का समय भी ठंड की वजह से प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने नागरिकों से ठंड से सुरक्षा के उपाय अपनाने, रात में पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने और आवश्यक होने पर अलाव या हीटर का उपयोग करने की सलाह दी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दिनों में शहडोलवासियों को असली सर्दी का सामना करना पड़ेगा।

हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा

जिले की लाड़ली बहनों के खातों में 35 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सिवनी के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना के तहत कटनी जिले की 2 लाख 41 हजार 256 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 30वीं किस्त के तौर पर 35 करोड 38 लाख 30 हजार 600 रूपये की राशि का अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस माह लाड़ली बहनों के खाते में 1500 रूपये की बढ़ी हुई राशि अंतरित की।

यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष सहित जिले की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में भी आयोजित किया गया। जहां उपस्थित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण को देखा और सुना। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा कटनी जिले की जनपद पंचायत बड़वारा की 39 हजार 664 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 84 लाख 12 हजार 800 रूपये अंतरित किये गए। इसी तरह जनपद पंचायत बहोरीबंद की 40 हजार 613 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 95 लाख 38 हजार 100 रूपये, जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की 37 हजार 565 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 50 लाख 82 हजार 100 रूपये, जनपद पंचायत कटनी की 27 हजार 935 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड 8 लाख 12 हजार 900 रूपये, जनपद पंचायत रीठी की 25 हजार 933 पात्र महिलाओं के खाते में 3 करोड 81 लाख 20 हजार 300 रूपये, जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की 35 हजार 128 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 16 लाख 69 हजार रूपये अंतरित किये। वहीं नगर निगम कटनी की 28 हजार 313 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड़ 12 लाख 85 हजार 500 रूपये नगर परिषद बरही की 2 हजार 321 पात्र महिलाओं के खाते में 34 लाख 16 हजार 100 रूपये, नगर परिषद कैमोर की 2 हजार 297 पात्र महिलाओं के खाते में 33 लाख 14 हजार 500 रूपये तथा नगर परिषद विजयराघवगढ़ की 1 हजार 487 पात्र महिलाओं के खाते में 21 लाख 79 हजार 300 रूपये अंतरित किये।

युवा उत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

शासकीय महाविद्यालय उमरियापान में सत्र 2025–26 के अंतर्गत युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्तृत्व, वाद-विवाद, निबंध लेखन, कविता पाठ, एकल गीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य जैसी विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. आरती धुर्वे ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है। इस दौरान दीपिका जैन, अभिलाषा चौरसिया, डॉ. जयश्री शुक्ला, डॉ. अरुणा दास, डॉ. आशीष पांडे, डॉ. ईश्वरदीन चौधरी, डॉ. जयप्रकाश अवस्थी, डॉ. दिव्या शुक्ला,राजाराम सूर्यवंशी, रहवर रजा मंसूरी की उपस्थित रहीं।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर निगम एवं बैंक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आगामी 13 दिसम्बर को जिला न्यायालय कटनी सहित समस्त तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समझौता योग्य अन्य प्रकरणों के साथ नगर निगम के संपत्ति कर एवं जलकर से संबंधित प्रकरणों, बीएसएनएल के प्री-लिटिगेशन एवं बैंको के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी आपसी समझौते के साथ निराकरण किया जायेगा। समझौता योग्य प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में निपटाने के उददेश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सुमित शर्मा द्वारा कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें बी.एस.एन.एल. एसडीओ महेश कुमार झारिया, लीड बैंक मैनेजर मेझरस किण्डों सहित विभिन्न बैंको के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहें।

बैठक में सुमित शर्मा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी के द्वारा सभी अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा की गई और 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका निगम के प्रकरणों में संपत्ति कर, जलकर के प्री-लिटिगेशन, बैंकों के प्री-लिटिगेशन एवं बीएसएनएल के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में सूचना पत्र को अधिक से अधिक संख्या में जारी करने के लिये निर्देशित किया और अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने कहा कि लोक अदालत का आमजन के बीच अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाकर लोगो को लोक अदालत से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी जावे।

आपात स्थिति में एंबुलेंस भी नहीं पहुंच पाती, गंदगी से फैल रहे बदबू

नदिया टोला में गंदगी और टूटी सड़कें बनी मुसीबत, मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत पोड़ी कला बी के आश्रित ग्राम नदिया टोला में विकास कार्यों का अभाव ग्रामीणों की बड़ी समस्या बन गया है। गांव की गलियां कचरे और कीचड़ से अटी पड़ी हैं। नालियों की सफाई नहीं हुई है और जगह-जगह गंदगी के ढेर बदबू फैला रहे हैं। बरसात के दिनों में यही रुका पानी बीमारियों का कारण बन रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के अंदर तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती, जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को चारपाई या मोटर साइकिल के सहारे मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है।

पोंडी खुर्द गांव से इस मार्ग के लिए ग्रामीण रोजाना निकलते हैं। अन्य कोई दूसरा रास्ता नहीं होने के कारण ग्रामीणों की अधिक चक्कर लगाना पड़ता है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार देर से अस्पताल पहुंचने के कारण उनकी जान पर भी बन आती है।बीते वर्ष अतिवृष्टि के कारण भी गांव में कई गरीबों की गृहस्थी उजड़ गई। रास्ता भी क्षतिग्रस्त हो गया। आजीविका तक उजड़ गई। लेकिन प्रशासन द्वारा अब कोई सुधार नहीं कराया गया।

गांव में मूलभूत सुविधाओं का अभाव: गांव में सड़क, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। कई हैंडपंप खराब पड़े है। ग्रामीणों को रोजाना पानी भरने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। शाम होते ही पूरे गांव में अंधेरा छा जाता है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को चलने-फिरने में दिक्कत होती है और सुरक्षा की चिंता भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

चुनाव के समय नेता गांव में आकर विकास के बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही सबकुछ भुला दिया जाता है। गांव के लोगों ने शासन-प्रशासन से सड़क निर्माण, नियमित सफाई व्यवस्था और एंबुलेंस की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को इस बदहाली से राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

राजेन्द्रग्राम में 16 को आयोजित होगा मेगा मेडिकल कैम्प

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के राजेन्द्रग्राम में 16 नवम्बर को मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाएगा। कैम्प में वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति में तपेदिक (टीबी), सिकल सेल एनीमिया और शारीरिक रूप से दिव्यांग लोगों का विशेष रूप से परीक्षण एवं ईलाज किया जाएगा। मेडिकल कैम्प के सफल संचालन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम 15 को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में 15 नवम्बर को शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी को नोडल अधिकारी तथा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्पादन हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई है।

वनाधिकार समितियों के साथ वन मंडलाधिकारी ने की बैठक, ग्रामीणों की समस्याएँ सुनीं

डिंडौरी । वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल डिंडौरी पुनीत सोनकर ने वन परिक्षेत्र दक्षिण समनापुर के ग्राम लमोठा में वनाधिकार समितियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर संवाद किया। इस अवसर पर उनके साथ सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री रेवासिंह परस्ते एवं अन्य वन अमला उपस्थित रहा।बैठक के दौरान वनाधिकार से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया। वनमंडलाधिकारी ने वन भूमि पट्टा, वन पट्टा वितरण एवं वनाधिकार पत्रों से जुड़ी जानकारी प्रदान की और समाधान के दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने उपस्थित बीट प्रभारी, अन्य वनकर्मियों एवं वनाधिकार सहायकों को निर्देशित किया कि वे ग्राम स्तर पर वनाधिकार से संबंधित लंबित प्रकरणों और समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

संतोषी साहू बनीं शहडोल जिले की कांग्रेस जिला प्रशिक्षक

डिण्डौरी। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रशिक्षण विभाग द्वारा जिले स्तर पर SIR एवं राजनीतिक प्रशिक्षण हेतु जिला प्रशिक्षकों की नियुक्ति की गई है।इसी क्रम में डिण्डौरी जिले की संतोषी साहू को शहडोल जिले का जिला प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है।पार्टी ने उनसे अपेक्षा व्यक्त की है कि वे कांग्रेस संगठन के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के अनुरूप पूर्ण निष्ठा और समर्पण से कार्य करेंगी।

अमरकंटक के सुंदर वन क्षेत्रों को वीरान कर रहा साल बोरर कीट का कोढ़

अब भी नहीं संभले तो अमरकंटक के सुंदर वन क्षेत्र हो जायेंगे वीरान

फालोअप
अमरकंटक में साल बोरर बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने बढ़ाई चिंता

कीट के नियंत्रण के लिए सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक

प्रभावित वृक्षों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को

कहा-वन विभाग को जल्द समाधान निकालना होगा नहीं तो गहराएगा पारिस्थितिकीय संकट

साल वृक्षों को कई प्रकार के कीट प्रभावित करते हैं, जिनमें साल बोरर सबसे विनाशकारी माना जाता है। यह कीट खड़े और ताजे कटे हुए दोनों प्रकार के साल वृक्षों को नुकसान पहुंचाता है। जब किसी वन क्षेत्र में 1 प्रतिशत से अधिक पेड़ इस कीट से प्रभावित होते हैं, तब इसे महामारी की स्थिति माना जाता है। अमरकंटक के घने वन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में साल वृक्ष सूखते जा रहे हैं, जिनकी छाल में कीटों द्वारा छेद कर अंदर तक क्षति पहुंचाई जा रही है। यह स्थिति अमरकंटक के सुंदर वन परिक्षेत्र के घातक साबित हो रहा है। इस मामले मे वन विभाग को तत्काल सर्वेक्षण कर प्रभावी नियंत्रण योजना बनानी चाहिए, अन्यथा स्थिति भयावह हो सकती है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक।

पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने बुधवार को अमरकंटक क्षेत्र का दौरा करते हुए साल के वृक्षों पर फैल रहे साल बोरर कीट के प्रकोप का स्थल निरीक्षण किया। विधायक मार्को ने इस स्थिति को अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय संकट करार देते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्टों और स्थानीय नागरिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार साल बोरर कीट का प्रकोप पूरे अमरकंटक क्षेत्र में तेजी से फैल रहा है। यह स्थिति केवल वृक्षों के नष्ट होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वन्यजीवों के आवास, मिट्टी की नमी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गहरा असर पड़ रहा है। वन विभाग को तत्काल सर्वेक्षण कर प्रभावी नियंत्रण योजना बनानी चाहिए, अन्यथा आने वाले समय में यह महामारी का रूप ले सकती है। विधायक ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रभावित क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें, और कीट नियंत्रण हेतु वैज्ञानिक पद्धतियों जैसे ट्रैपिंग, कीटनाशी उपचार एवं संक्रमित वृक्षों की समय पर पहचान और हटाने जैसे कदम तुरंत उठाएं।

क्या है साल बोरर कीट

साल बोरर कीट एक प्रकार का लकड़ी खाने वाला कीट है जो मुख्य रूप से साल वृक्षों पर हमला करता है। यह कीट वृक्ष की छाल में छेद कर अंदर अंडे देता है, जिससे लार्वा लकड़ी को भीतर से खोखला कर देता है। परिणामस्वरूप वृक्ष धीरे-धीरे सूखने लगते हैं। मध्य भारत के जंगलों में यह कीट विशेष रूप से बरसात के बाद सक्रिय होता है और यदि समय पर नियंत्रण नहीं किया गया तो सैकड़ों हेक्टेयर वन क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। निरीक्षण के दौरान विधायक के साथ पुष्पराजगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष वीरू तंबोली, चिन्नू जैन, राजेश परस्ते, अमर सिंह धुर्वे, सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं वन विभाग अमरकंटक परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र श्रीवास्तव एवं विभागीय कर्मी भी मौके पर मौजूद रहे जिन्होंने विधायक को अब तक किए गए उपायों की जानकारी दी। विधायक मार्को ने कहा कि अमरकंटक न केवल एक धार्मिक स्थल है बल्कि यह नर्मदा नदी की उद्गम स्थली होने के कारण पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां के जंगलों की सुरक्षा पूरे प्रदेश और देश के जल स्त्रोतों की सुरक्षा से जुड़ी है। मैं इस विषय को विधानसभा में भी उठाऊंगा ताकि राज्य स्तर पर इस पर ठोस नीति बनाई जा सके।

इधर कीट प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण

अमरकंटक के साल वनों में साल बोरर कीट के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र,इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 10 नवम्बर को आयोजित हुआ, जिसमें वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी, फील्ड स्टाफ और नर्मदा समग्र के अधिकारी ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान पौध सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुर्मी ने बताया कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में देश के कुल साल वनों का लगभग 25 प्रतिशत क्षेत्र आता है।

3 से 7 सेंटीमीटर तक होती है कीट की लंबाई

डॉ. कुर्मी ने बताया कि साल बोरर कीट गहरे भूरे रंग का होता है, जिसके दो कांटेदार एंटीना शरीर से भी लंबे होते हैं। इसकी लंबाई 3 से 7 सेंटीमीटर तक होती है और इसका जीवन चक्र एक वर्ष का होता है, जिसमें अंडा, इल्ली, प्यूपा और वयस्क चार अवस्थाएँ होती हैं। मानसून की पहली बारिश के साथ वयस्क कीट साल वृक्षों से बाहर निकलते हैं और और यह प्रक्रिया पूरे मानसून भर चलती है। मादा कीट आमतौर पर गिरे हुए या कमजोर पेड़ों पर अंडे देती है, जिससे निकली इल्ली छाल को छेदते हुए लकड़ी में सुरंगें बनाती है। अधिक प्रकोप होने पर पेड़ सूख जाते हैं और उनकी पत्तियाँ मुरझा जाती हैं।

कीट के नियंत्रण के लिए सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक

प्रशिक्षण में बताया गया कि इस कीट के नियंत्रण के लिए सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। दिसंबर से फरवरी के बीच प्रभावित पेड़ों की पहचान कर उन्हें चिह्नित और वर्गीकृत करना चाहिए। मानसून आने से पहले मृत और मरणासन्न पेड़ों को काटकर जंगल से हटा देना चाहिए।साथ ही, साल बीज संग्रहण को प्रभावित क्षेत्रों में स्थगित करना चाहिए जब तक कि क्षेत्र पुनर्जीवित न हो जाए। लकड़ी के डिपो साल वनों से कम से कम तीन किलोमीटर दूर होने चाहिए ताकि संक्रमण का फैलाव रोका जा सके। इस अवसर पर ट्रेप-ट्री तकनीक को सबसे प्रभावी उपाय के रूप में प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह में पहली बारिश के साथ ही ट्रेप-ट्री प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए। इसके अंतर्गत प्रति हेक्टेयर 1-2 पेड़ (60-90 सेमी परिधि वाले) गिराकर उन्हें 2-3 मीटर लंबे लट्ठों में काटा जाता है। इन लट्ठों की छाल को पीटकर रस निकाला जाता है, जो कीटों को आकर्षित करता है। दस दिन बाद सूखी छाल हटाकर फिर से पीटना चाहिए ताकि ताजा रस निकले। रस पीकर कीट सुस्त हो जाते हैं, जिससे उन्हें जाल से पकड़ना और मिट्टी के तेल में डुबोकर मारना आसान हो जाता है।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों तथा योजनाओं की जिपं सीईओ ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करने तथा जिले के जरूरतमंद मरीज को स्वास्थ्य सुविधाएं सहज, सरल रूप में प्रदान करने पर जोर दिया है। जिला पंचायत सीईओ ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा जिला पंचायत सभागार में करते हुए उक्ताशय के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. वर्मा, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. एस. आर. परस्ते, आरएमओ डॉ. जनक सारीवान सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी ने स्वास्थ्य विभाग की संचालित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रो में सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय तथा जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रो में चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टाफ के समय पर उपस्थिति के निर्देश देते हुए संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों को प्रदान किए जाने हेतु स्वास्थ्य टीम को निर्देशित किया है।

गुरू की गरिमा को धूमिल कर रहे महाविद्यालय के जिम्मेदार

अंदरखाने से लेकर बस व पुताई में भी भ्रष्टाचार का घोल

आक्रोशित एनएसयूआई ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

एक सप्ताह का दिया अल्टीमेटम, कार्यवाही नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

13 नंबवर को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने महाविद्यालय में विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे लेख किया गया कि महाविद्यालय की जो बस छात्रों के लिए लगाई गई है, उसमें ना सीसीटीवी कैमरा है, न कंडक्टर, न ही सुरक्षा किट - ऊपर से पीछे का गेट भी बंद कर दिया गया है। 40 सीटर बच्चों वाली बस में कॉलेज के छात्र ठूंसे जा रहे हैं, सीटें छोटी, पैर रखने की जगह नहीं और हालत ये कि बच्चे गेट पर लटककर सफर करने को मजबूर हैं। किसी को पता नहीं बस प्रभारी कौन है, रूट क्या है, टाइम चार्ट कहाँ है पूरी व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। यह की महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापको की नियुक्ति छात्रों को पढ़ाने के लिए विभाग द्वारा किया गया है लेकिन सहायक प्राध्यापक छात्रों को पढ़ाने के बजाय महाविद्यालय प्राचार्य के पीछे-पीछे पूरे समय घूमते नजर आते हैं और ठेकेदारी करते हैं। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक छात्रों को पढ़ाने को छोड़कर महाविद्यालय के जनभागीदारी मद के पैसों से जबरन एवं गैर जरूरी कार्यों को कर अपना एवं प्राचार्य के जेब को भरते हैं।

अनैतिक तरीके से भर रहे जेब

यह की जनभागीदारी मद का पैसा छात्रों की पढ़ाई के लिए होता है महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्रों के लिए पुस्तक एवं शिक्षकों की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही छात्र पुराने चालन की पुस्तकों से पढ़ने के लिए मजबूर हो रहे हैं उनका ही पैसा उनके लिए ही ना खर्च कर सहायक प्राध्यापक एवं प्राचार्य जनभागीदारी मद का पैसा अन्य अन्य तरीकों से निकालकर बंदरबाट कर रहे हैं वही दिसंबर 2024 से लेकर नैक मूल्यांकन के नाम पर कार्य करने को लेकर लाखों रुपए जनभागीदारी मद का पैसा पानी की तरह बहाया गया जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक एवं ठेकेदार द्वारा मिलीभगत कर पैसो का खूब बंदरबांट किया है चाहे वह पुताई के नाम पर हो या फिर मजदूरी के नाम पर या फिर खेल के नाम पर, चारों तरफ सिर्फ छात्रों के पैसों का बंदर बांट करने का काम महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा किया जा रहा है।

कमीशनखोरी मे लिप्त जिम्मेदार

महाविद्यालय पूरे मध्य प्रदेश में होगा जिसमें नवंबर 2024 से लेकर 13 नवंबर तक लगभग 1 वर्ष से लगातार कार्य कराई जा रही है जो कि कभी खत्म होने का नान ही नहीं ले रहा है जिससे स्पष्ट है कि प्राचार्य एवं प्राध्यापक मिलकर कार्य करने के नाम पर कमीशन खोरी कर रहे हैं वही महाविद्यालय में एनएएसी मूल्यांकन के दौरान कराए गए कार्यों जैसे स्टील गेट लगवाना, आर ओ. ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, रंग-रोगन एवं पुताई कार्य, वॉटर प्रूफिंग, महाविद्यालय के लिए बस लगवाना तथा कन्या महाविद्यालय में वॉटर प्रूफिंग कार्य में भारी अनियमितताएँ और फर्जी बिलिंग की गई है। इन कार्यों में गुणवत्ता विहीन निर्माण कराकर लाखों रुपये का दुरुपयोग एवं बंदरबांट की गई है। साथ ही, महाविद्यालय में वर्तमान में जो अन्य कार्य प्रगति पर हैं, उनके सभी बिलों के भुगतान तत्काल प्रभाव से रोके जाएं तथा उनकी भी जांच कराई जाए। इसके साथ ही निविदा प्रकाशन, स्वीकृत दरों और वास्तविक भुगतान का आपसी मिलान किया जाए ताकि यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी, फर्जीवाड़ा या वित्तीय अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर उचित एवं कड़ी कार्रवाई की जा सके।

एक सप्ताह मे हो कार्यवाही अन्यथा करेंगे आंदोलन

कलेक्टर व जनभागीदारी अध्यक्ष से संगठन ने 7 दिवस के भीतर बिंदुवार सभी समस्याओं एवं शिकायतों पर निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही की मांग की है, ताकि महाविद्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी संस्था के रूप में स्थापित किया जा सके साथ ही संगठन ने चेतावनी देते हुये कहा कि यदि निर्धारित समयावधि में आवश्यक कार्यवाही नहीं की जाती है, तो भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा महाविद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। छात्रहितों की रक्षा और पारदर्शिता की मांग को लेकर संगठन किसी भी स्तर तक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

अवैध स्मैक (ब्राउन शुगर) रखने वाला पकड़ाया, रामनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

यह क्या! जिले में अब ब्राउन शुगर की भी इंट्री

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमति आरती शाक्य के मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना रामनगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 नवम्बर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति स्मैक (ब्राउन शुगर) का अवैध रूप से विक्रय करने की फिराक में है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना रामनगर पुलिस टीम द्वारा संदेही व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली गई, जिसके कब्जे से 1.04 ग्राम स्मैक (ब्राउन शुगर) बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी की पहचान चंचल गुप्ता उर्फ सनी उर्फ चार्ली पिता गौरी गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी गोपाल पंडाल, राजनगर थाना रामनगर के रूप में की है। आरोपी से बरामद मादक पदार्थ को जप्त कर थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 304/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और यह जांच की जा रही है कि वह मादक पदार्थ कहाँ से लाया था। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सुमित कौशिक, एएसआई अशोक सिंह, प्रधान आरक्षक सनत द्विवेदी, अमित पटेल, निरंजन खलखो, राहुल प्रजापति, आरक्षक अनुराग भार्गव एवं अनुराग सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में

विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम व जनसुनवाई का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के अवसर पर ''जनजातीय गौरव दिवस'' के उपलक्ष्य में एक नवंबर से जिले में भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन, उनके आदर्शों एवं जनजातीय समाज के योगदान से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जो 15 नवम्बर तक किया जाएगा। जिसके तहत आज आज जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत चिल्हारी में विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम तथा आदि सेवा केन्द्र में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा का जीवन हमारे लिए मार्गदर्शक और प्रेरणादायी है। जनजातीय लोगों ने अपनी प्राचीन संस्कृति व परंपरा को जीवित रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जनजातीय वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए सभी कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं। योजनाओं का लाभ दिलाकर इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़े जाने का कार्य किया जा रहा है।

विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा जनजातीय गीत पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, आजीविका मिशन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, जहां से आमजन द्वारा विभिन्न प्रकार के सामग्रियों का क्रय किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर से लाभान्वित हुए 53 लोग

स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित नागरिकों का 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाईयां भी प्रदाय की गई। इस अवसर पर आदि सेवा केन्द्र चिल्हारी में जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें विकास प्राथमिकताओं पर समुदाय की प्रतिक्रिया आकांक्षाओं को सुना गया। साथ ही पीएम जनमन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, आदि कर्मयोगी अभियान और अन्य जनजातीय केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ग्रामीणों से प्राप्त की गई। आदि सेवा केन्द्र में भगवान बिरसा मुंडा और आदिवासी स्वतंत्रता नायकों को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही जिले के 437 आदि सेवा केन्द्रों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई।